अनुक्रमांक .... मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5
नाम ....

2026

901 **हिन्दी** 801(FF)

(केवल प्रश्नपत्र)

समय : तीन घण्टे 15 मिनट [**पूर्णांक : 70**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश :

i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
ii) यह प्रश्नपत्र दो खण्डों, **खण्ड – अ** तथा **खण्ड – ब** में विभक्त है।
iii) **खण्ड – अ** में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके सही उत्तर ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट कलम से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला कर चिह्नित करें।
iv) **खण्ड – अ** के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें। ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात् उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा व्हाइटनर का प्रयोग न करें।
v) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।
vi) **खण्ड – ब** में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं।
vii) **खण्ड – ब** में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें।
viii) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए। जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए।

खण्ड – 'अ'
बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) प्रश्न

1. **आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने खड़ी बोली गद्य की प्रारम्भिक रचना माना है** 1
(A) भाषा योग वाशिष्ठ को (B) सुखसागर को (C) प्रेमसागर को (D) चन्द छन्द बरनन की महिमा को

2. **'झलमला' कहानी-संग्रह के लेखक हैं** 1
(A) प्रेमचन्द (B) जैनेन्द्र कुमार (C) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी (D) वृन्दावन लाल वर्मा

3. **श्रीलाल शुक्ल लिखित उपन्यास है** 1
(A) आधा गाँव (B) राग दरबारी (C) मैला आँचल (D) पानी के प्राचीर

4. **'आधे-अधूरे' नाटक के लेखक हैं** 1
(A) जगदीशचन्द्र माथुर (B) सेठ गोविन्द दास (C) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' (D) मोहन राकेश

5. **माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित गद्य काव्य है** 1
(A) साहित्य देवता (B) साधना (C) अन्तस्थल (D) अनन्तनाद

6. **रीतीकालीन रचना है** 1
(A) आँसू (B) रसराज (C) प्रेम तरंग (D) द्वापर

7. **जयशंकर प्रसाद की रचना नहीं है** 1
(A) कामायनी (B) झरना (C) यामा (D) लहर

8. **प्रयोगवाद को नई कविता की संज्ञा दी** 1
(A) नेमिचन्द जैन (B) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' (C) भारतभूषण अग्रवाल (D) भवानी प्रसाद मिश्र

9. **'राम की शक्ति पूजा' के रचनाकार हैं** 1
(A) सुमित्रानन्दन पंत (B) महादेवी वर्मा (C) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (D) जयशंकर प्रसाद

UPBoardHub

10. **मैथिलीशरण गुप्त की रचना है** 1
(A) हिम किरीटिनी (B) युगवाणी (C) कुरुक्षेत्र (D) भारत-भारती

11. **हास्य रस का स्थायी भाव है** 1
(A) हास (B) शोक (C) रति (D) जुगुप्सा

12. **'चरण-कमल बंदौ हरि राई' में अलंकार है** 1
(A) उपमा (B) रूपक (C) उत्प्रेक्षा (D) यमक

13. **'रोला' छन्द में मात्राएँ होती हैं** 1
(A) 16 (B) 24 (C) 13 (D) 11

14. **'उन्नति' का विपरीतार्थी (विलोम) शब्द है** 1
(A) अवनति (B) अवनत (C) अवरोह (D) प्रतिकूल

15. **'सुख-दु:ख' में समास है** 1
(A) कर्मधारय (B) द्विगु (C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

16. **'जल' शब्द का पर्याय है** 1
(A) नीर (B) वारिद (C) नीरज (D) अम्बुद

17. **'युष्मद्' का सप्तमी विभक्ति, बहुवचन का रूप है** 1
(A) युष्मत् (B) युष्माकम् (C) युष्मासु (D) युष्माभि:

18. **'अर्थ' के आधार पर वाक्य के भेद होते हैं** 1
(A) 5 (B) 7 (C) 6 (D) 8

19. **'छात्रों द्वारा विद्यालय में खेला जाता है।' वाक्य में वाच्य है** 1
(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य (C) भाववाच्य (D) इनमें से कोई नहीं

20. **'विकारी' पद के प्रकार हैं** 1
(A) 8 (B) 5 (C) 4 (D) 6

खण्ड – 'ब'
वर्णनात्मक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** $3 \times 2 = 6$

चौसा के मुगल-पठान युद्ध को बहुत दिन बीत गये। ममता अब सत्तर वर्ष की वृद्धा है। वह अपनी झोंपड़ी में एक दिन पड़ी थी। शीतकाल का प्रभात था। उसका जीर्ण कंकाल खाँसी से गूँज रहा था। ममता की सेवा के लिए गाँव की दो-तीन स्त्रियाँ उसे घेरकर बैठी थीं, क्योंकि वह आजीवन सबके दुख-सुख की सहभागिनी रही।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) चौसा का युद्ध किसके मध्य हुआ था ?
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

ईर्ष्या की बड़ी बेटी का नाम निन्दा है। जो व्यक्ति ईर्ष्यालु होता है, वही व्यक्ति बुरे किस्म का निन्दक भी होता है। दूसरों की निन्दा वह इसलिए करता है कि इस प्रकार दूसरे लोग जनता अथवा मित्रों की आँखों से गिर जायेंगे और तब जो स्थान रिक्त होगा उस पर अनायास मैं ही बैठा दिया जाऊँगा।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या उत्पन्न होने पर क्या होता है ?
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

UPBoardHub

2. **निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** $3 \times 2 = 6$

अविगत-गति कछु कहत न आवै।
ज्यौं गूँगे मीठे फल कौ रस अन्तर्गत ही भावै॥
परम स्वाद सबही सु निरन्तर अमित तोष उपजावै।
मन-बानी कौ अगम-अगोचर, सो जाने जो पावै॥
रूप-रेख-गुन-जाति-जुगति-बिनु निरालंब कित धावै।
सब बिधि अगम बिचारहिं ताते, सूर सगुन-पद गावै॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) 'अगम-अगोचर' से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

शोभित है सर्वोच्च मुकुट से, जिसके दिव्य देश का मस्तक।
गूँज रही हैं सकल दिशाएँ, जिनके जय गीतों से अब तक॥
जिसकी महिमा का है अविरल, साक्षी सत्य-रूप हिम-गिरि-वर।
उत्तरा करते थे विमान-दल, जिसके विस्तृत वक्षःस्थल पर॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) उपर्युक्त पद्यांश में कौन सा रस है ? स्पष्ट कीजिए।

3. **निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** $2 + 3 = 5$

एषा नगरी भारतीयसंस्कृतेः संस्कृतभाषायाश्च केन्द्रस्थली अस्ति। इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः।मुगलयुवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय-दर्शन-शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत्। स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसीभाषायां कारितः।

अथवा

स चतुरः ग्रामीण अकथयत्, "भोः वयम् अशिक्षिताः भवान् च शिक्षितः, वयम् अल्पज्ञा भवान् च बहुज्ञः, इत्येवं विज्ञाय अस्माभिः समयः कर्तव्यः, वयम् परस्परं प्रहेलिकां प्रक्षयामः। यदि भवान् उत्तरं दातुं समर्थः न भविष्यति तदा भवान् दशरूप्यकाणि दास्यति, यदि वयम् उत्तरं दातुं समर्थाः न भविष्यामः तदा दशरूप्यकाणाम् अर्धं पञ्चरूप्यकाणि दास्यामः।"

4. **निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** $2 + 3 = 5$

क्षीर-नीर-विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्वस्मिनधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः॥

अथवा

किंस्विद् गुरुतरं भूमेः किंस्विदुच्चतरं च खात्।
किंस्विद् शीघ्रतरं वातात् किंस्विद् बहुतरं तृणात्॥

UPBoardHub

5. **अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :** $1 \times 3 = 3$

(क) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'बलिदान' सर्ग का कथानक लिखिए।
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चंद्रशेखर 'आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के 'अरावली' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'भामाशाह' का चित्रांकन कीजिए।

(ग) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'आयोजन' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण और कर्ण के वार्तालाप' का वर्णन कीजिए।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक का चित्रांकन कीजिए।

(च) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध तथा लक्ष्मण की मूर्च्छा' प्रसंग का वर्णन कीजिए।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग (राजभवन) की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू का चित्रांकन कीजिए।

(झ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

UPBoardHub

6. **(क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए :** 3 + 2 = 5

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) भगवतशरण उपाध्याय (iii) जयप्रकाश भारती

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

(i) बिहारी लाल (ii) सुमित्रानन्दन पन्त (iii) मैथिलीशरण गुप्त

7. **अपनी पाठ्यपुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो।** 2

8. **अपने गली/मोहल्ले की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।** 4

अथवा

विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर पुरस्कार-प्राप्ति की प्रसन्नता का वर्णन करते हुए अपनी माताजी को एक पत्र लिखिए।

9. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :** 1 + 1 = 2

(i) श्वेतकेतुः कः आसीत् ?
(ii) पुरूराजः केन सह युद्धम् अकरोत् ?
(iii) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत् ?
(iv) कीर्तिः केन वर्धते ?

10. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : (अधिकतम शब्द सीमा 200)** 1 × 7 = 7

(i) देश-प्रेम
(ii) साम्प्रदायिकता : एक अभिशाप
(iii) विज्ञान : वरदान या अभिशाप
(iv) स्वच्छ भारत अभियान।

UPBoardHub